हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार 5 अप्रैल 2026

13 पढ़ाई के साथ स्किल जरूरी, तभी बनेगा बेहतर...

14 निजामपुर की वरुणा गैस एजेंसी पर त्रुटियां मिली...

Affiliated to CBSE
MR SCHOOL
MITTERPURA | ATELI
A Name of Dedication, Hardwork and Sincerity
॥ तमसो मा ज्योतिर्गमय ॥
FOUNDATION / JEE / NEET COACHING with Aakash Faculty Experts

ADMISSION OPEN
Session 2026-27
MR SCHOOL Aakash
Medical IIT-JEE Foundation
Aakash की FACULTY अब MR SCHOOL के साथ
MITTERPURA, NARNAUL (HR.)
9466945658, 9416903367
mrps530543@gmail.com www.mrpublicschool.com
NARNAUL ROAD, ATELI
8278085868, 9416903367
mrpsateli@gmail.com www.mrpsateli.in

खबर संक्षेप

ग्रामीणों ने मंत्री के सामने रखी समस्या

कनीना। गांव पोता के ग्रामीणों ने कैबिनेट मंत्री आरती सिंह राव से मुलाकात कर पेयजल की समस्या को दूर करने की मांग की। उन्होंने ग्रामीणों के सामने ही जन स्वास्थ्य विभाग के एक्सईएन प्रदीप कुमार को पोता जाकर ग्रामीणों की समस्या सुन निदान करने को कहा। विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और जल घर का निरीक्षण कर उचित पेयजल उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया। जिस पर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। इस मौके पर हनुमान सिंह, रामनिवास, मनोज, गौतम शर्मा, सतीश यादव, हरकेश यादव उपस्थित थे।

मारपीट करने के आरोप में केस दर्ज

कनीना। कनीना में रास्ता रोककर महिला से मारपीट कर घायल करने के आरोप में पुलिस ने दंपति के खिलाफ केस दर्ज किया है। इस बारे में पीड़ित महिला उर्मिला देवी ने सिटी थाना पुलिस को दी शिकायत में कहा कि वह हनुमान जयंती के दिन सायं करीब छह बजे बाजार से अपने घर जा रही थी, उस समय ओमप्रकाश व उसकी पत्नी शुकंतला ने उसका रास्ता रोक लिया और मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़िता का भाई मनोज वहां आया और बीच बचाव किया।

अंजली का एसबीआई में हुआ चयन

कनीना। गांव सेहलंग निवासी अंजली का चयन एसबीआई बैंक में बतौर क्लर्क होने पर परिजनों ने खुशी जताई है। उनको आईएमटी मानेसर में कार्यभार ग्रहण कराया गया। प्रवीन कुमार ने कहा कि अंजली बचपन से ही पढ़ाई में तीव्र बुद्धि रही है। निरंतर प्रयास से यह सफलता हासिल हुई है। जिस पर ग्रामीणों व परिजनों ने खुशी जताई है।

निःशुल्क बाल स्वास्थ्य जांच शिविर आज

मंडी अटेली। अटेली के ताजपुर रोड स्थित यूएस सैनिक स्कूल अकादमी में पांच अप्रैल को निजी अस्पताल की ओर से निःशुल्क बाल स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर समय सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक आयोजित होगा। अकादमी प्रबंधन प्रमोद कटारिया ने बताया कि अटेली व आसपास के क्षेत्र के अभिभावकों अपने बच्चों को शिविर में अवश्य लाएं।

उपभोक्ता ने लिया हुआ है एक एनडीएस दस किलोवाट का कनेक्शन, प्रधान की मां के नाम है कनेक्शन

यूथ कांग्रेस के जिला प्रधान को भेजा 6 माह का 78 करोड़ का बिजली बिल, टेंशन में परिजन

- 9,99,99,429 यूनिट दर्शाई, मार्च माह में किया था 63 हजार 546 रुपये का भुगतान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

इसे सत्ता पक्ष की ओर से सत्ता का प्रभाव कहें या अनहोनी। युवा कांग्रेस के जिला प्रधान के घर बिजली निगम ने 78 करोड़ 92 लाख का बिजली बिल भेजा है। इये छह माह की बिल राशि के रूप में दिखाया है। यह बिजली बिल जिला प्रधान की माता के नाम है और एक एनडीएस दस किलोवाट का कनेक्शन है। जो बिल बिजली निगम ने भेजा है, उसमें 9 करोड़ 99 लाख 99 हजार 429 यूनिट दर्शाई है। जब इस बिल राशि का मैसेज फोन पर आया और प्रिंट बिल में भी यहीं भारी भरकम राशि दिखाई तो परिवार टेंशन में आ गया। अब बिजली निगम इस टेक्निकल गलती मान रहा है। गांव हसनपुर के रहने वाले युवा कांग्रेस के जिला प्रधान पुनीत बुलान ने बताया कि उन्होंने एनडीएस का दस किलोवाट का बिजली कनेक्शन लिया हुआ है।

यह कनेक्शन उनकी मां बिमला देवी के नाम से है, जो इससे एक छोटी आटा पिसाई की चक्की चलती थी और अब वह चक्की पिछले दो सालों से बंद पड़ी है। बुलान ने बताया कि उनके पास निगम का मोबाइल फोन पर मैसेज आया। इस मैसेज को देखकर वे हैरान रह गए। उसके मां के नाम से लिए गए बिजली कनेक्शन का छह माह का बिल 78 करोड़ 92 लाख रुपये दर्शाया गया है। उन्होंने बताया कि यह बिल गांव हसनपुर की बिमला के नाम जारी किया गया है।

निगम की ओर से जारी बिल में अप्रैल 2026 की बिलिंग अवधि दिखाई गई है, जबकि मीटर रीडिंग मात्र छह दिनों (15 मार्च से 21 मार्च 2026) की बताई गई है। बिल में दर्ज आंकड़ों के अनुसार कुल देय राशि 78,92,75,697 रुपये है। इसमें एनर्जी चार्जेज 71,69,95,908 रुपये और म्युनिसिपल टैक्स 1,52,79,316 रुपये दर्शाया गया है। सबसे हैरानी की बात यह है कि बिल में बिल्ड यूनिट्स 9,99,99,429 दर्ज हैं, जो किसी भी उपभोक्ता के लिए असंभव संख्या हो सकती है।

उन्होंने बताया कि इससे पहले उनका बिजली बिल सामान्य आता रहा है। उन्होंने लगभग 63,546 रुपये का भुगतान किया था, लेकिन इस बार अचानक करोड़ों रुपये का बिल आने से परेशान हैं। बिल पर देय तिथि आठ अप्रैल 2026 दर्ज है। नियत समय पर भुगतान नहीं करने पर सरचार्ज लगने से यह राशि 80 करोड़ रुपये से भी अधिक हो सकती है।

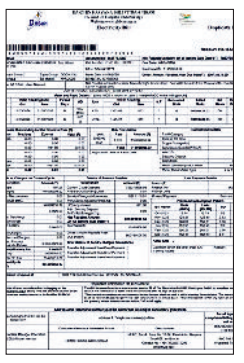

नारनौल। बिल की कॉपी।

यह बोले अधिकारी

बिजली निगम के कार्यकारी अभियंता शिवराज सिंह ने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान में आ चुका है। इसकी जांच करवाई जा रही है। यदि बिल में गड़बड़ी हुई है तो उसे ठीक कराने का प्रयास किया जा रहा है। तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट होने के बाद आवश्यक सुधार किया जाएगा और उपभोक्ता को नाजायज परेशान नहीं किया जाएगा। वह तकनीकी त्रुटि भी हो सकती है।

मंडियों में किसानों की सुविधा के लिए 24 घंटे कटेंगे गेट पास

एसीएस ने सरकारी खरीद एजेंसी के पास सरसों बिक्री नहीं होने के जाने कारण

- एसीएस डॉ. राजा शेखर वंडरु ने अनाज मंडियों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. राजा शेखर वंडरु ने शनिवार को जिले की मंडियों का दौरा किया और अधिकारियों से जाना कि किसान सरसों की बिक्री सरकारी खरीद में क्यों नहीं कर रह रहे। उन्होंने मंडी में ढेरियों पर जाकर सरसों की क्वालिटी की भी जांच की। इस पर नारनौल मंडी में मौजूद अधिकारियों ने उन्हें बताया कि किसानों को व्यापारियों के यहां अच्छा भाव मिल रहा है। सरकारी भाव से ऊंचा भाव मिलने के कारण ही सारे किसान वहां जा रहे हैं। अबकी बार सर्द ऋतु का मौसम लगातार अच्छा गुजरने से सरसों की पैदावार भी बंपर हुई है तथा सरसों में तेल की गुणवत्ता भी अधिक है। इसी कारण व्यापारी एवं सरसों के सौदागर सीधे गांवों में किसानों के पास पहुंच रहे हैं और अच्छे तोल–मोल में किसान उन्हें ही सरसों बेच रहे हैं और किसान अपना उत्पादन बेचने को स्वतंत्र भी हैं। इस कारण सरकारी एजेंसी अब तक खाली हाथ हैं। मौके पर अधिकारियों ने बताया कि यह हालात अकेले नारनौल ही नहीं, महेंद्रगढ़ व अन्य मंडियों के भी हैं और किसान अच्छे भाव मिलने से प्राइवेट में सरसों बेच रहे हैं।

एसीएस डा. वी. राजा शेखर वुंडरू ने मंडी में टीनशेड के नीचे जाकर ढेरियों का निरीक्षण भी किया तथा बैग से सरसों अपने हाथ से निकालकर उसे देखा भी। उन्होंने स्वयं माना कि सरसों की क्वालिटी तो अच्छी है। खड़ी सचिव नुकुल यादव ने बताया कि सरसों अच्छी क्वालिटी की ही आ रही है और इसमें कम से कम 42 प्रतिशत मात्रा तेल की होगी, जिसके किसान को अच्छे दाम मिल जाएंगे। एसीएस वुंडरू ने कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि रबी फसल खरीद के दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए मुख्यमंत्री के निर्देश पर मंडियों में 24 घंटे गेट पास काटने के विशेष आदेश जारी किए हैं, ताकि आवक के समय किसानों को अनावश्यक इंतजार न करना पड़े। उन्होंने शनिवार को जिला की अनाज मंडियों के दौरे से पूर्व उपायुक्त कैंप कार्यालय में आयोजित अधिकारियों के साथ बैठक भी की।

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने जिला में फसल खरीद की वर्तमान स्थिति, अब तक की आवक और प्रशासनिक तैयारियों के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने नारनौल का निरीक्षण किया और वहां मौजूद किसानों तथा आढ़तियों से सीधा संवाद कर धरातल पर व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

नारनौल। मंडी में सरसों का निरीक्षण करते एसीएस डॉ. राजा शेखर वंडरु व मंडी आए एसीएस डा. वुंडरू को ज्ञापन सौंपते व्यापारीगण। फोटो: हरिभूमि

आढ़तियों ने सौंपा ज्ञापन

मंडी दौरे के दौरान व्यापारी भी मौजूद रहे। व्यापारी एसोसिएशन के चेयरमैन रामजीलाल मित्तल, बद्री प्रसाद गर्ग एवं विजय अग्रवाल ने एसीएस को एक ज्ञापन सौंपा तथा उन्हें मंडी की दुकानों के आढ़तियों की तरफ बकाया रकम एवं ब्याज से अवगत कराया। व्यापारियों ने मांग की कि उन्हें अलॉट दुकानों के ब्याज से मुक्ति दिलाई जाए। अधिक ब्याज चढ़ जाने के कारण वह इन दुकानों को अपने नाम नहीं करवा पा रहे तथा भारी परेशान हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक दीपक जेवरिया, एसडीएम नारनौल अनिरुद्ध यादव, एसडीएम महेंद्रगढ़ योगेश सैनी, चेयरमैन बाबूलाल पटीकरा, डीएमईओ जगजीत कादियान, जीएम रोडवेज देवीदत्त, हैफेड डीएम प्रवीण भारद्वाज, डीएफएससी सावित्री देवी, एएफएसओ अरुण सैनी, मंडी सचिव नुकुल यादव, कृषि विभाग से डा. हरपाल सिंह, हैफेड से योगेश शेखावत, स्टेट वेयरहाउस से रूबी हुड्डा सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने अनाज मंडी का किया दौरा

महेंद्रगढ़। हरियाणा सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. राजा शेखर वंडरू ने शनिवार को विधायक कंवर सिंह यादव के साथ महेंद्रगढ़ अनाज मंडी का दौरा किया और फसल खरीद व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने किसानों को दी जा रही सुविधाओं और मंडी प्रबंधन की बारीकी से समीक्षा की। निरीक्षण के समय एसीएस ने मंडी में पहुंच रही फसल की गुणवत्ता की स्वयं जांच की और उपस्थित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि खरीद प्रक्रिया पूरी तरह से निर्धारित मानकों के अनुरूप होनी चाहिए। डॉ. राजा शेखर वंडरू ने क्षेत्र के किसानों की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि इस बार सरसों की पैदावार काफी बेहतर हुई है, जो उन्नत कृषि पद्धतियों को अपनाने का सुखद परिणाम है। विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। इस मौके के पर एसडीएम योगेश सैनी आईएएस, डीएसपी दिनेश कुमार, जिला विपणन एवं प्रवर्तन अधिकारी जगजीत कादियान, मार्केट कमेटी चेयरमैन बिजेंद्र आदि मौजूद थे।

नारनौल। फसल खरीद को लेकर बैठक करते व्यापारी। फोटो: हरिभूमि

फसल खरीद को लेकर व्यापारियों ने की बैठक

नारनौल। दी खाद्यान्न व्यापार एसोसिएशन नई मंडी की बैठक प्रधान रामजीलाल मित्तल की अध्यक्षता में मिल मालिकों के साथ मंडी कार्यालय में हुई। जिसमें सरसों खरीद को सुचारू रूप से चलने हेतु विचार-विमर्श कर किसानों व व्यापारिक हित में कुछ निर्णय लिए गए। प्रधान रामजीलाल मित्तल ने बताया कि शनिवार से अनाज मंडी नजदीक राजीव चौक में सरसों की साढ़े 12 बजे बोली शुरू हो गई है। रोजाना इसी समय बोली शुरू की जाएगी। जिसमें सभी खरीददार मिल वाले समय पर पहुंचकर बोली लगाएंगे। बद्रीप्रसाद गर्ग ने बताया कि बोली लगने से किसान को पूरा भाव मिलेगा व लेनदेन की पारदर्शिता होगी। मिल मालिक अनिल गोयल ने कहा कि बोली से पहले कोई माल नहीं बिकना चाहिए व सभी माल का फार्म सरसों तोलते ही बनाकर देना व खरीददार के व्हाट्सएप ग्रुप पर आई फॉर्म डालना होगा। इस मौके पर मार्केट कमेटी वाइस चेयरमैन सुरेश चौधरी, प्रवक्ता बद्रीप्रसाद गर्ग, मिल मालिक अनिल गोयल, संतोष अग्रवाल, मनोज मित्तल, राजकुमार मित्तल, विपिन मंगला, चिराग चौधरी, रमेश चंद्र अग्रवाल, भूपसिंह, अशोक यादव, हरीश कंछल, रूपनारायण कंछल, नीरज मित्तल, सत्यनारायण भोजावासिया, श्यामसुंदर, गोलू, राजीव मित्तल, दिनेश सिंघल, मुकेश, रजत चौधरी, बजरंग लाल, सन्नी आदि मौजूद थे।

कनीना। मंडी में गेहूं की खरीद करते अधिकारी व अन्य। फोटो: हरिभूमि

कनीना में 61 क्विंटल सरसों व 1761 क्विंटल गेहूं की आवक

कनीना। मंडी में रबी फसल की खरीद शुरू होने के सप्ताह भर बाद शनिवार को दो किसानों की 61 क्विंटल सरसों मंडी में आई। वहीं 17 किसानों का 1751 क्विंटल गेहूं के गेट पास जारी किए गए। सरसों की खरीद हैफेड की ओर से की जा रही, जबकि गेहूं की खरीद फूड सप्लाई कर रही है। हैफेड के खरीद अधिकारी जगराम यादव ने बताया कि एमएसपी 6200 रुपये प्रति क्विंटल से बाजार भाव 6600 रुपये प्रति क्विंटल होने से सरसों की खरीद धीमी है। गेहूं के खरीद अधिकारी प्रवीण कुमार ने बताया कि 2585 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं की खरीद की जा रही है। मार्केट कमेटी के चेयरमैन जेपी यादव व सचिव अजीत सिंह ने बताया कि मंडी में आने वाले किसानों की सुविधा के लिए बिजली, पानी व साफ सफाई के सभी बंदोबस्त किए गए हैं। इस मौके पर एआर कुलदीप सिंह, मनीष कुमार, पूर्णसिंह प्रधान, राधेश्याम, अशोक कुमार, जितेंद्र सिंह उपस्थित थे।

डिजिटल जनगणना 2026 : मोबाइल से खुद दर्ज करें अपने परिवार का विवरण

16 से 30 अप्रैल तक खुला रहेगा पोर्टल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने जिलावासियों आह्वान किया है कि भारत सरकार की ओर से आयोजित की जा रही इस बार की जनगणना बेहद खास और आधुनिक है, क्योंकि यह देश की पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना है। इस डिजिटल पहल का सबसे महत्वपूर्ण पहलू स्व-गणना है, जिसके माध्यम से प्रत्येक नागरिक स्वयं अपने व अपने परिवार का विवरण सरकारी पोर्टल पर दर्ज कर सकता है। उपायुक्त ने सभी जिलावासियों से आह्वान किया कि वे इस डिजिटल क्रांति का हिस्सा बनें और 16 से 30 अप्रैल के बीच चलने वाले इस विशेष अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी सुनिश्चित करें। केंद्र सरकार इस प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए स्व-गणना पर विशेष ध्यान दे रही है, ताकि आंकड़ों की शुद्धता बनी रहे और आमजन को अपने घर के दरवाजे पर किसी प्रगणक का इंतजार करने के बजाय अपनी सुविधानुसार विवरण भरने की आजादी मिले। डीसी ने स्पष्ट किया कि स्व-गणना करना न केवल सुरक्षित है, इसलिए जिले के सभी शिक्षित युवा, कर्मचारी और जागरूक नागरिक अपने मोबाइल या लैपटॉप के जरिए इस पोर्टल का उपयोग करें, ताकि हमारा जिला स्व-गणना के मामले में प्रदेश में अग्रणी स्थान प्राप्त कर सके। उन्होंने अपील की है कि हम एक जिम्मेदार नागरिक होने का फर्ज निभाएं और निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी जानकारी पोर्टल पर अपलोड कर राष्ट्र के विकास की सही रूपरेखा तैयार करने में प्रशासन का सहयोग करें।

ये है स्व-गणना की प्रक्रिया

डिजिटल जनगणना पोर्टल पर स्व-गणना करना बेहद सरल और सुरक्षित है। सबसे पहले नागरिक को आधिकारिक जनगणना पोर्टल पर जाकर अपने मोबाइल नंबर के जरिए पंजीकरण करना होगा। पंजीकरण के सफल होने पर आपके मोबाइल पर एक वन-टाइम पासवर्ड प्राप्त होगा, जिसे दर्ज करने के बाद आप लॉगिन कर सकेंगे। इसके पश्चात आपको स्क्रीन पर मांगी गई आवश्यक जानकारी, जैसे परिवार के सदस्यों के नाम, आयु, शिक्षा व अन्य विवरण को ध्यानपूर्वक भरना होगा। पूरा विवरण भरने के बाद डेटा को सबमिट करें। सबमिट होते ही आपको एक संदर्भ संख्या प्राप्त होगी, जिसे आप भविष्य के लिए सुरक्षित रख सकते हैं। जब प्रगणक आपके घर का दौरा करेंगे, तो आपको केवल यह संदर्भ संख्या उन्हें दिखानी होगी, जिससे आपकी गणना प्रक्रिया बिना किसी परेशानी के पूर्ण हो जाएगी।

गैस सिलेंडर संकट से बंद हुई कैंटीन अब दोबारा हुई सुचारू

जल महल मंडी में अटल किसान कैंटीन फिर शुरू

- जल महल के नजदीक मंडी में अब फिर मिलेगा दस रुपये में भरपेट भोजन

राजकुमार ⏭ नारनौल

दैनिक हरिभूमि में खबर प्रकाशित होने के बाद जल महल के समीप बनी अनाज मंडी स्थित अटल किसान कैंटीन एकबार फिर शुरू हो गई है। जल महल के नजदीक अनाज मंडी में 23 मार्च को यह कैंटीन शुरू की गई थी, जहां मात्र दस रुपये में भरपेट भोजन की थाली किसानों और श्रमिकों को उपलब्ध कराई जा रही थी। सस्ती दर पर पौष्टिक भोजन मिलने से यह कैंटीन अल्प समय में ही लोगों के लिए राहत का केंद्र बन गई थी।

हालांकि, कैंटीन शुरू होने के महज तीन दिन बाद ही कमर्शियल गैस सिलेंडर की कमी के कारण इसे बंद करना पड़ गया था। खाड़ी युद्ध के चलते गैस सिलेंडरों की आपूर्ति प्रभावित हुई, जिससे कैंटीन संचालन में दिक्कत आई। कैंटीन को एडीसी कार्यालय के तहत हरियाणा ग्रामीण रोजगार मिशन से जुड़ा महिलाओं का स्वयं सहायता समूह संचालित कर रहा है, जो सीमित संसाधनों में यह सेवा दे रहा था।

गैस उपलब्ध न होने के कारण कैंटीन बंद रहने से किसानों, मजदूरों और अन्य जरूरतमंद लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। दैनिक हरिभूमि ने इस समस्या को प्रमुखता से उठाया, जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया और गैस सिलेंडरों की व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

अब गैस सिलेंडर मिलने के बाद कैंटीन को पुनः सुचारु कर दिया गया है। शनिवार को एसीएस डा. वी राजा शेखर वुंडरू के दौरे के बाद मंडी सचिव नुकुल यादव स्वयं कैंटीन पहुंचीं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने स्टाफ के साथ आमलोगों की तरह बैठकर भोजन किया और भोजन की गुणवत्ता तथा व्यवस्था पर संतोष जताया। कैंटीन के दोबारा शुरू होने से अब फिर से किसानों और श्रमिकों को सस्ती दर पर भरपेट भोजन मिलने लगा है, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिली है। स्थानीय लोगों ने भी कैंटीन के पुनः संचालन पर खुशी जताई है।

हरिभूमि इंपेक्ट

नारनौल। कैंटीन में खाना पकाती स्वयंसेवी समूह की महिलाएं व कैंटीन में खाना खाती मंडी सचिव नुकुल अग्रवाल व स्टाफ। फोटो: हरिभूमि

निवेशकों के लिए बने कमाई का मजबूत जरिया

●

युद्ध या आर्थिक संकट के समय सक्रिय प्रबंधन आता हैकाम

बाजार की उठापटक

एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने दिया बढ़िया रिटर्न

बाजार की अनिश्चितता के बीच भी एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने यह साबित किया है कि सही रणनीति और अनुभव के दम पर बेहतर रिटर्न हासिल किया जा सकता है। हालांकि, हर निवेश में जोखिम होता है, इसलिए सोच-समझकर और अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार ही निवेश करना चाहिए। आज के समय में सबसे समझदारी भरा कदम यही है कि निवेशक एक्टिव और पैसिव दोनों का संतुलित पोर्टफोलियो बनाएं। इससे न केवल जोखिम कम होगा, बल्कि लंबी अवधि में बेहतर और स्थिर रिटर्न पाने की संभावना भी बढ़ेगी।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव कोई नई बात नहीं है। वैश्विक तनाव, महंगाई, ब्याज दरों में बदलाव और आर्थिक अनिश्चितता जैसे कई कारण बाजार को प्रभावित करते रहते हैं। ऐसे माहौल में अक्सर निवेशक असमंजस में पड़ जाते हैं कि पैसा कहां लगाया जाए। लेकिन हाल के वर्षों के आंकड़े एक अलग कहानी बताते हैं—बाजार की अस्थिरता के बावजूद एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को बेहतर रिटर्न देकर उम्मीद जगाई है। पिछले तीन वर्षों में जब दुनिया ने महामारी के बाद की आर्थिक चुनौतियों, युद्ध जैसे हालात और वैश्विक मंदी के डर का सामना किया, तब भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग ने मजबूती दिखाई। खासकर एक्टिव फंड मैनेजमेंट ने निवेशकों के लिए अतिरिक्त रिटर्न पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आंकड़ों के अनुसार, बड़ी संख्या में एक्टिव फंड्स ने अपने बेंचमार्क इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया है, जिसे वित्तीय भाषा में "पॉजिटिव अल्फा" कहा जाता है। इसका मतलब है कि फंड मैनेजर ने बाजार से बेहतर कमाई कराई।

छोटी कंपनियों में बड़ा मौका

अगर विभिन्न कैटेगरीज पर नजर डालें तो स्मॉलकैप फंड्स ने सबसे ज्यादा आकर्षक रिटर्न दिया है। इसकी वजह साफ है—छोटी कंपनियों के बारे में जानकारी सीमित होती है और उनमें ग्रोथ की संभावनाएं ज्यादा होती हैं। ऐसे में कुशल फंड मैनेजर सही स्टॉक्स का चयन करके निवेशकों को ज्यादा फायदा दिला सकते हैं। मिडकैप और लार्जकैप फंड्स ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन इनमें प्रतिस्पर्धा ज्यादा होती है और जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होती है।

निवेशकों के लिए बने कमाई का मजबूत जरिया

●

युद्ध या आर्थिक संकट के समय सक्रिय प्रबंधन आता है काम

कठिन समय में एक्टिव मैनेजमेंट की अहमियत

जब बाजार में अनिश्चितता बढ़ती है, तब एक्टिव फंड्स की असली ताकत सामने आती है। पैसिव फंड्स जहां केवल इंडेक्स को फॉलो करते हैं, वहीं एक्टिव फंड मैनेजर के पास फैसले लेने की पूरी स्वतंत्रता होती है। वे बाजार की स्थिति के अनुसार पोर्टफोलियो में बदलाव कर सकते हैं। जैसे कि कमजोर प्रदर्शन करने वाले शेयरों से बाहर निकलना और मजबूत संभावनाओं वाले स्टॉक्स में निवेश बढ़ाना। यही लचीलापन एक्टिव फंड्स को अलग बनाता है। उदाहरण के तौर पर, जब किसी सेक्टर में गिरावट आती है, तो एक्टिव मैनेजर वहां से पैसा निकालकर दूसरे उभरते सेक्टर में निवेश कर सकते हैं। इससे जोखिम कम होता है और रिटर्न बेहतर बनने की संभावना बढ़ती है।

पैसिव फंड्स का बढ़ता ट्रेंड

हाल के वर्षों में पैसिव फंड्स यानी इंडेक्स फंड्स और ईटीएफ का चलन भी तेजी से बढ़ा है। इसकी सबसे बड़ी वजह है इनकी कम लागत। चूंकि इन फंड्स में एक्टिव मैनेजमेंट नहीं होता, इसलिए इनका एक्सपेंस रेशियो कम रहता है। विशेषज्ञों का मानना है कि लार्जकैप सेगमेंट में पैसिव फंड्स एक अच्छा विकल्प बनते जा रहे हैं। इसका कारण यह है कि बड़ी कंपनियों के बारे में सभी को जानकारी होती है, जिससे एक्टिव मैनेजर के लिए अतिरिक्त रिटर्न निकालना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में कम लागत वाले पैसिव फंड्स निवेशकों के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

एक्टिव और पैसिव का संतुलन जरूरी

निवेश के मामले में "एक ही रास्ता सही है" ऐसा नहीं होता। समझदारी इसी में है कि निवेशक अपने पोर्टफोलियो में एक्टिव और पैसिव दोनों तरह के फंड्स का संतुलन बनाए रखें। जहां एक्टिव फंड्स आपको अतिरिक्त रिटर्न का मौका देते हैं, वहीं पैसिव फंड्स स्थिरता और कम लागत का फायदा देते हैं। उदाहरण के तौर पर, आप अपने निवेश का एक हिस्सा लार्जकैप इंडेक्स फंड में रख सकते हैं और दूसरा हिस्सा मिडकैप या स्मॉलकैप एक्टिव फंड्स में लगा सकते हैं। इससे जोखिम भी संतुलित रहेगा और रिटर्न की संभावना भी बेहतर होगी।

निवेश से पहले इन बातों का रखें ध्यान

- **लंबी अवधि का नजरिया रखें :** बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य है, इसलिए निवेश को कम से कम 3-5 साल के नजरिए से देखें।
- **फंड का ट्रैक रिकॉर्ड देखें:** केवल हाल का प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि लंबी अवधि का रिकॉर्ड भी जांचें।
- **फंड मैनेजर की रणनीति समझें:** यह जानना जरूरी है कि फंड किस तरीके से निवेश करता है।
- **डायवर्सिफिकेशन बनाए रखें :** सभी पैसे को एक ही फंड या कैटेगरी में न लगाएं।
- **नियमित निवेश (एसआईपी):** बाजार के उतार-चढ़ाव से बचने के लिए एसआईपी एक अच्छा तरीका है।

पैसों की सही समझ ही बनाएगी आपको धनवान

बेहतर लाइफ के लिए फाइनेंशियल लिटरेसी क्यों है जरूरी

फाइनेंशियल लिटरेसी सिर्फ सपने देखने तक सीमित नहीं यह बल्कि उन्हें हासिल करने की सही दिशा भी देती है

हर व्यक्ति के जीवन में कुछ लक्ष्य होते हैं। जैसे घर खरीदना, बच्चों को अच्छी शिक्षा देना या रिटायरमेंट के बाद आरामदायक जीवन जीना। इसके लिए मेहनत और कमाई जरूरी हैं, लेकिन इन लक्ष्यों को हासिल करना इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप अपने पैसों को कितनी समझदारी से संभालते हैं। यहीं पर फाइनेंशियल लिटरेसी की भूमिका अहम होती है। फाइनेंशियल लिटरेसी आपको सिर्फ सपने देखने से आगे बढ़कर उन्हें प्लान करने में मदद करती है। जैसे सिर्फ यह कहना कि 'मुझे घर खरीदना है' काफी नहीं है, बल्कि आपको यह समझना होता है कि उसकी कीमत क्या होगी, कब खरीदना है और हर महीने कितनी बचत करनी होगी।

लक्ष्य तय करते समय ध्यान रखें

- लक्ष्य स्पष्ट और समयबद्ध होना चाहिए
- उसकी अनुमानित लागत का पता होना चाहिए
- हर महीने कितनी बचत करनी है, यह तय करें
- लक्ष्य को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटें
- उदाहरण के लिए, अगर आप घर खरीदना चाहते हैं, तो उसकी कीमत, डाउन पेमेंट और समयसीमा का स्पष्ट प्लान बनाना जरूरी है।

बजट बनाना: पैसों को संभालने की सबसे जरूरी स्कि बजट बनाना आपके वित्तीय जीवन की नींव है। यह आपको यह समझने में मदद करता है कि आपकी आमदनी कहां खर्च हो रही है और कहां बचत की जा सकती है।

बजट बनाने के फायदे

- खर्चों पर नियंत्रण मिलता है
- बचत की आदत विकसित होती है
- फालतू खर्च कम होते हैं
- वित्तीय लक्ष्य हासिल करना आसान होता है
- आसान बजट नियम (50-30-20)
- 50%: जरूरतें (खाना, किराया, बिल)
- 30%: इच्छाएं (घूमना, शॉपिंग)
- 20%: बचत और निवेश
- नियमित बचत, चाहे छोटी ही क्यों न हो, समय के साथ बड़ी पूंजी में बदल जाती है।

लोन और क्रेडिट कार्ड का सही इस्तेमाल

- आज के समय में लोन और क्रेडिट कार्ड आम हो गए हैं, लेकिन इनका गलत उपयोग आपको कर्ज के जाल में फंसा सकता है।
- समय पर ईएमआई और बिल का भुगतान करें
- जरूरत के अनुसार ही कर्ज लें
- क्रेडिट कार्ड का लिमिट से ज्यादा उपयोग न करें
- ब्याज दरों को समझें

ध्यान रखने योग्य बातें

- लेट पेमेंट से ब्याज तेजी से बढ़ता है
- खराब क्रेडिट स्कोर भविष्य में लोन मिलने में दिक्कत पैदा कर सकता है
- जिम्मेदारी से उपयोग करने पर क्रेडिट स्कोर बेहतर होता है

समझदारी से निवेश : पैसे को बढ़ाने का तरीका सिर्फ पैसे बचाना काफी नहीं है, उसे बढ़ाना भी जरूरी है। इसके लिए निवेश सबसे प्रभावी तरीका है।

निवेश क्यों जरूरी है

- महंगाई से बचाव
- लंबे समय में संपत्ति निर्माण
- अतिरिक्त आय का स्रोत

निवेश के विकल्प

- म्यूचुअल फंड
- शेयर बाजार
- फिक्स्ड डिपॉजिट
- पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)
- सही निवेश का चयन आपके लक्ष्य, जोखिम लेने की क्षमता और समय अवधि पर निर्भर करता है। नियमित निवेश और धैर्य से बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है।

जोखिम से सुरक्षा: सुरक्षित भविष्य की गारंटी : जीवन में अनिश्चितताएं कभी भी आ सकती हैं। जैसे नौकरी का जाना, बीमारी या कोई अन्य आपात स्थिति। ऐसे समय में आपकी वित्तीय योजना पर असर पड़ सकता है।

सुरक्षा के जरूरी उपाय

- इमरजेंसी फंड (6–12 महीने का खर्च)
- लाइफ इंश्योरेंस
- हेल्थ इंश्योरेंस

क्यों जरूरी है सुरक्षा?

- मुश्किल समय में आर्थिक सहारा मिलता है
- परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित होती है
- आपके वित्तीय लक्ष्यों पर असर नहीं पड़ता

एक नजर में लाभ

- पैसों का बेहतर प्रबंधन
- सही निर्णय लेने की क्षमता
- तनाव में कमी
- भविष्य के लिए मजबूत आधार

यह एक जीवनशैली : फाइनेंशियल लिटरेसी सिर्फ एक स्किल नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। यह आपको अपने पैसों के प्रति जागरूक बनाती है और सही फैसले लेने में मदद करती है। चाहे आप कितना भी कमाते हों, अगर आप उसे सही तरीके से मैनेज करना जानते हैं, तो आप अपने सभी वित्तीय लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। कमाई से ज्यादा जरूरी है समझदारी से खर्च, बचत और निवेश करना। अगर आप आज से ही इन सिद्धांतों को अपनाना शुरू कर देते हैं, तो भविष्य में एक सुरक्षित और समृद्ध जीवन आपका इंतजार कर रहा होगा।

गिरावट के दौर में समझदारी से करें काम

●

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य प्रक्रिया

●

मौजूदा गिरावट को अवसर के रूप में देखें

●

सही रणनीति, धैर्य और लंबी अवधि की सोच के साथ निवेश करें

अब पैसा भी करेगा आपके लिए काम पैसिव इनकम का आसान व स्मार्ट रास्ता

- पहले अपनी इनकम और खर्च को समझें, फिर इमरजेंसी फंड बनाएं
- अपनी स्किल्स से कमाई शुरू करें और छोटे-छोटे निवेश करें
- नियमित सिस्टम बनाकर धीरे-धीरे आगे बढ़ें
- स्थिर और अतिरिक्त इनकम का स्रोत तैयार करें

पैसिव इनकम का मतलब है कम मेहनत में लगातार कमाई। इसके लिए पहले अपनी इनकम-खर्च समझें, फिर इमरजेंसी फंड बनाएं। अपनी स्किल्स से कमाई शुरू करें और छोटे-छोटे निवेश करें। नियमित सिस्टम बनाकर धीरे-धीरे आगे बढ़ें, जिससे समय के साथ स्थिर और अतिरिक्त इनकम का स्रोत तैयार हो सके। आप हर दिन मेहनत करके पैसा कमाते हैं। लेकिन जब कुछ पैसा अपने आप भी आपके लिए काम करने लगे, तो एक अलग सुकून मिलता है। यही 'पैसिव इनकम' का आसान मतलब है। यानी एक बार व्यवस्था बना लें और समय के साथ बिना ज्यादा रोजाना मेहनत के पैसा आता रहे। भारत में कई लोगों के लिए यह सिर्फ कमाने से आगे बढ़कर आर्थिक स्थिरता बनाने का पहला कदम होता है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

सबसे पहले समझें अपनी इनकम और खर्च

- पैसिव इनकम की शुरुआत करने से पहले अपनी मौजूदा वित्तीय स्थिति को समझना बेहद जरूरी है। हर महीने आपकी कुल आमदनी कितनी है और खर्च किन-किन चीजों पर होता है, इसका साफ हिसाब रखें।
- अपने खर्च को तीन हिस्सों में बांटें जरूरी (राशन, किराया, बिल), जीवनशैली (मनोरंजन, घूमना) और बचत। इसके आपको पता चलेगा कि हर महीने कितना पैसा बचता है, जिसे आप निवेश या किसी पैसिव इनकम स्रोत में लगा सकते हैं।

इमरजेंसी फंड बनाना है पहली प्राथमिकता

कोई भी निवेश शुरू करने से पहले एक मजबूत इमरजेंसी फंड होना जरूरी है। यह फंड कम से कम 3 से 6 महीने के खर्च के बराबर होना चाहिए। इसका फायदा यह है कि अचानक आने वाली मेडिकल, नौकरी या अन्य किसी समस्या के समय आपको अपने निवेश को तोड़ना नहीं पड़ेगा। यह आपकी वित्तीय योजना को सुरक्षित रखता है और आपको मानसिक शांति देता है।

अपनी स्किल को बनाएं इनकम का जरिया

पैसिव इनकम का सबसे आसान और कम जोखिम वाला तरीका है। अपनी स्किल का इस्तेमाल करना। अगर आप किसी चीज में अच्छे हैं, जैसे पढ़ाना, लिखना, डिजाइनिंग, कुकिंग या म्यूजिक, तो उसे डिजिटल फॉर्म में बदल सकते हैं। आप ऑनलाइन कोर्स बना सकते हैं, ई-बुक लिख सकते हैं या वीडियो कंटेंट तैयार कर सकते हैं। एक बार यह काम तैयार हो जाने के बाद, यह लंबे समय तक आपको कमाई देता रहता है।

क्या कहता है 4% रूल

4% रूल के अनुसार आप रिटायरमेंट के पहले साल में अपनी कुल बचत का करीब 4% निकाल सकते हैं। इसके बाद हर साल इस अमाउंट को महंगाई के अनुसार थोड़ा बढ़ाया जाता है। उदाहरण के लिए, अगर आपके पास 50 लाख रुपए की बचत है, तो पहले साल आप करीब 2 लाख रुपए खर्च कर सकते हैं। इसका उद्देश्य यह है कि आपकी बाकी बचत निवेश में बनी रहे और समय के साथ बढ़ती भी रहे।

छोटे निवेश से करें शुरुआत

बहुत से लोग यह सोचकर निवेश शुरू नहीं करते कि उनके पास बड़ी रकम नहीं है। जबकि सच्चाई यह है कि छोटे निवेश भी समय के साथ बड़ा रूप ले सकते हैं। हर महीने एक तय राशि निवेश करना एक मजबूत आदत बनाता है। यह निवेश धीरे-धीरे बढ़ता है और कंपाउंडिंग का फायदा देता है। जरूरी यह है कि आप नियमित रहें और लंबे समय के नजरिए से निवेश करें।

ऑटोमेशन से बनाएं आसान सिस्टम

पैसिव इनकम का असली खेल सिस्टम बनाने में है। आप अपने बैंक अकाउंट से हर महीने ऑटोमैटिक निवेश या बचत की व्यवस्था कर सकते हैं। इससे आपको हर बार सोचने या निर्णय लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह छोटा सा कदम आपको अनुशासन सिखाता है और धीरे-धीरे बड़ी संपत्ति बनाने में मदद करता है।

जोखिम और रिटर्न का रखें संतुलन

हर पैसिव इनकम का तरीका पूरी तरह सुरक्षित नहीं होता। कुछ विकल्प ज्यादा रिटर्न देते हैं, लेकिन उनमें जोखिम भी ज्यादा होता है। इसलिए जरूरी है कि आप अपने निवेश को अलग-अलग जगहों पर बांटें। इससे अगर एक जगह नुकसान हो, तो दूसरी जगह से संतुलन बना रहता है। सही संतुलन आपको स्थिर और सुरक्षित इनकम देता है।

लाइफ इंश्योरेंस और सुरक्षा भी जरूरी

पैसिव इनकम की योजना में सुरक्षा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। एक अच्छा इंश्योरेंस प्लान आपके परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है और आपके निवेश को भी सुरक्षित रखता है। यह आपके वित्तीय प्लान का एक मजबूत आधार बनता है, जिसे अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं।

छोटे-छोटे कदम, बड़ा बदलाव

पैसिव इनकम कोई रातों-रात अमीर बनने का तरीका नहीं है। यह एक लंबी प्रक्रिया है, जिसमें धैर्य और अनुशासन की जरूरत होती है। आपको बड़े लक्ष्य के बजाय छोटे-छोटे सिस्टम बनाने पर ध्यान देना चाहिए। जैसे—हर महीने बचत करना, नियमित निवेश करना और साल में एक-दो बार अपनी योजना की समीक्षा करना।

समय के साथ बनती है असली ताकत

पैसिव इनकम की सबसे बड़ी ताकत है समय। जितनी जल्दी आप शुरुआत करेंगे, उतना ज्यादा फायदा मिलेगा। छोटी-छोटी रकम समय के साथ बड़ी बन जाती है और एक स्थिर इनकम का स्रोत तैयार करती है। यह आपको आर्थिक आजादी की ओर ले जाती है, जहां आप सिर्फ काम करने के लिए काम नहीं करते, बल्कि अपने मन से जीवन जी सकते हैं।

पैसे पैसा कमाएं

पैसिव इनकम एक सोच है, जो आपको सिर्फ कमाने से आगे बढ़कर संपत्ति बनाने की दिशा में ले जाती है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी वित्तीय स्थिति को समझें, सुरक्षा फंड बनाएं, अपनी स्किल का उपयोग करें और छोटे-छोटे निवेश से शुरुआत करें। नियमितता, अनुशासन और सही योजना के साथ आप भी अपने पैसे को अपने लिए काम करने पर मजबूर कर सकते हैं।

शेयर बाजार में हाहाकार कैसे होगा निवेशकों का बेड़ापार

ईरान युद्ध को एक महीना पूरा होने के साथ ही वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता का माहौल बन गया है, जिसका सीधा असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला है। बीते एक महीने में निफ्टी करीब 10 फीसदी तक गिर चुका है, जिससे इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की वैल्यू में भी गिरावट आई है। इस उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है और वे अब यह सोचने पर मजबूर हैं कि मौजूदा हालात में उन्हें क्या रणनीति अपनानी चाहिए। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस समय इक्विटी में एकमुश्त (लमसम) निवेश करना सही रहेगा? एक्सपर्ट्स का मानना है कि इसका जवाब निवेशक की जोखिम लेने की क्षमता और निवेश अवधि पर निर्भर करता है। वर्तमान में निफ्टी का प्राइस-टू-अर्निंग (पीई) रेश्यो घटकर लगभग 19.7 पर आ गया है, जो सितंबर 2024 के 24.4 के स्तर से काफी नीचे है। ऐतिहासिक रूप से 20 से नीचे का पीई रेश्यो लंबी अवधि के निवेश के लिए आकर्षक माना जाता है। ऐसे में जिन निवेशकों का नजरिया पांच साल या उससे अधिक का है और जो बाजार के उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं, वे निवेश के अवसर तलाश सकते हैं।

चरणबद्ध तरीके से निवेश करें

हालांकि विशेषज्ञ एकमुश्त निवेश करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करने की सलाह देते हैं। उदाहरण के तौर पर, कुल निवेश राशि का लगभग 25-30 फीसदी अभी लगाया जा सकता है, जबकि बाकी रकम को आने वाले महीनों में धीरे-धीरे निवेश किया जा सकता है। इससे बाजार में और गिरावट की स्थिति में निवेशक बेहतर औसत कीमत हासिल कर सकते हैं।

यह भी सुरक्षित रणनीति

एक अन्य सुरक्षित रणनीति सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान (एसटीपी) हो सकती है। इसमें निवेशक पहले अपनी राशि को किसी लिक्विड फंड में डालते हैं, जहां उन्हें लगभग 6-7 फीसदी का रिटर्न मिल सकता है। इसके बाद यह राशि धीरे-धीरे इक्विटी फंड्स में ट्रांसफर होती रहती है। यह तरीका बाजार के उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

पोर्टफोलियो की समीक्षा करें

अब बात करते हैं पोर्टफोलियो में बदलाव की। मौजूदा बाजार परिस्थितियां निवेशकों के लिए अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करने का सही समय मानी जा रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशकों को अपनी जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्यों और निवेश अवधि को ध्यान में रखते हुए अपने निवेश का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए। यदि किसी निवेशक का पैसा एक ही एसेट क्लास या किसी विशेष सेक्टर में अधिक केंद्रित है, तो उसे विविधता लाने की जरूरत है। बीते कुछ समय में कई निवेशकों ने सोना, चांदी या किसी खास थीमेटिक फंड में अधिक निवेश किया है, जिससे उनका पोर्टफोलियो असंतुलित हो गया है। ऐसे निवेशकों को लार्ज-कैप इंडेक्स फंड्स या फ्लेक्सी-कैप फंड्स जैसे विविधीकृत विकल्पों की ओर रुख करना चाहिए। इससे जोखिम कम होता है और लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ती है।

एक्सपर्ट्स की सलाह

- गिरावट में घबराएं नहीं, यह निवेश का मौका भी हो सकता है
- लमसम के बजाय चरणबद्ध निवेश अपनाएं
- एसटीपी के जरिए जोखिम कम करें
- पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाइड रखें
- लंबी अवधि का नजरिया बनाए रखें

इसलिए आई गिरावट

ईरान युद्ध के चलते वैश्विक अनिश्चितता बढ़ी है, जिसका असर भारतीय शेयर बाजार पर साफ दिख रहा है। पिछले एक महीने में निफ्टी करीब 10 फीसदी तक गिर चुका है। इसका सीधा असर इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की वैल्यू पर पड़ा है, जिससे निवेशकों में घबराहट का माहौल है।

जल्दबाजी में निर्णय लेना नुकसानदायक

जहां तक घाटा दे रही स्कीमों का सवाल है, विशेषज्ञों का मानना है कि जल्दबाजी में निर्णय लेना नुकसानदायक हो सकता है। जिन निवेशकों की निवेश अवधि सात साल या उससे अधिक है, उन्हें डाइवर्सिफाइड इक्विटी फंड्स में निवेश जारी रखना चाहिए और शॉर्ट-टर्म गिरावट को नजरअंदाज करना चाहिए। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य बात है और लंबी अवधि में यह अक्सर संतुलित हो जाता है।

जोखिम क्षमता से अधिक है, तो पुनर्विचार करें

यदि किसी निवेशक का बड़ा हिस्सा सेक्टोरल या थीमेटिक फंड्स में लगा है और वह उनकी जोखिम क्षमता से अधिक है, तो उसे इस पर पुनर्विचार करना चाहिए। ऐसी स्थिति में अतिरिक्त निवेश कर नुकसान की भरपाई (एवरेजिंग) करना हमेशा सही रणनीति नहीं होती। बेहतर होगा कि निवेशक अपनी हिस्सेदारी को संतुलित करें और जरूरत पड़ने पर इन फंड्स में निवेश कम करके डाइवर्सिफाइड फंड्स में शिफ्ट करें। कुल मिलाकर, मौजूदा बाजार गिरावट को घबराने के बजाय एक अवसर के रूप में देखा जा सकता है, बशर्ते निवेशक धैर्य और समझदारी से काम लें। लंबी अवधि का नजरिया, विविधीकृत पोर्टफोलियो और चरणबद्ध निवेश जैसी रणनीतियां इस अस्थिर माहौल में भी निवेशकों को सुरक्षित और लाभदायक दिशा दे सकती हैं।

खबर संक्षेप

पूर्व डिप्टी सीएम के जन्मदिन पर कराया भोजन

कनीना। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला के जन्मदिन पर इनसो के पूर्व चेयरमैन एवं पंचायत समिति के सदस्य महीपाल नम्बरदार बागोत के नेतृत्व में जरूरतमंदों को भोजन कराया गया। वहीं गर्मी के आगमन को देखते हुए पक्षियों के पेयजल के लिए सकोरे रखे गए। गोशाला में सवामणी का आयोजन कर गायों को चारा खिलाया गया तथा पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस मौके पर जिला पार्षद अजीत तंवर, राधेश्याम, सचिन आदि मौजूद थे।

वकील अनिल राठौड़ को किया सम्मानित

नारनौल। प्रजा भलाई संगठन ने शनिवार को समाज के गरीब, वंचित और पिछड़े वर्ग के लोगों को त्वरित व सस्ता न्याय दिलाने के लिए पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के वकील अनिल राठौड़ को सम्मानित किया। धनौन्दा गांव में आयोजित समारोह में संगठन सुप्रीमो अतरलाल एडवोकेट ने अनिल राठौड़ को साफा पहनाकर, पुस्तक व प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

राजकीय महिला महाविद्यालय अटेली में मोटिवेशन कार्यक्रम का शुभारंभ

पढ़ाई के साथ स्किल जरूरी, तभी बनेगा बेहतर करियर : मेजर जनरल यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

राजकीय महिला महाविद्यालय अटेली में आयोजित मोटिवेशन कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मेजर जनरल डॉ. अरविंद यादव ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में छात्राओं को करियर और कौशल विकास को लेकर प्रेरित किया गया।

इस मौके पर मेजर जनरल डॉ. अरविंद यादव ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल डिग्री हासिल करना पर्याप्त नहीं है बल्कि पढ़ाई के साथ-साथ कौशल (स्किल) विकसित करना बेहद जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा कि जब तक विद्यार्थियों के पास व्यावहारिक ज्ञान और कौशल नहीं होगा तब तक रोजगार की संभावनाएं सीमित रहेंगी। उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था का उदाहरण देते हुए बताया कि यह प्राइमरी, सेकेंडरी और सर्विस सेक्टर में विभाजित है। प्राइमरी सेक्टर में लगभग 55 प्रतिशत आबादी कार्यरत है, लेकिन इसका जीडीपी में योगदान मात्र 18 प्रतिशत है, जबकि सर्विस सेक्टर का योगदान करीब 58 प्रतिशत है। इससे स्पष्ट है कि आने वाले समय में सर्विस सेक्टर में रोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने सॉफ्ट स्किल और हार्ड स्किल के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि कम्युनिकेशन स्किल, पर्सनालिटी डवलपमेंट और इंटरव्यू स्किल आज के समय की बड़ी जरूरत हैं। इनकी कमी के कारण कई योग्य विद्यार्थी भी बेहतर अवसरों से वंचित रह जाते हैं।

मेजर जनरल ने छात्राओं को अपनी रुचि के अनुसार विषय चुनने और उसी दिशा में कौशल विकसित करने की सलाह दी। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. प्रवीण कुमार, महाविद्यालय प्राचार्य राजेश सैनी, डॉ. संजय कुमार, अनिल कालिया, सतीश डीएसपी, तेजप्रकाश, नरपत, असीम राव, सियाराम, श्रवन कुमार व सुरेंद्र पटवा के अलावा अन्य मौजूद रहे।

मंडी अटेली। मेजर जनरल डॉ. अरविंद यादव को सम्मानित करते हुए महाविद्यालय स्टाफ।

जानकारी साझा की

उन्होंने इंफ्रास्ट्रक्चर,आईटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रिन्यूएबल एनर्जी और हेल्थकेयर जैसे क्षेत्रों में बढ़ते रोजगार अवसरों की जानकारी भी साझा की। वहीं इस मौके पर यूनिवर्सिटी में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया।

महेंद्रगढ़। विद्यालय में हवन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

नव जागरण पब्लिक स्कूल में मनाया स्थापना दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़।

नव जागरण पब्लिक स्कूल गुलावला का 20वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस उपलक्ष में विद्यालय में हवन का आयोजन किया गया। बच्चों और स्टाफ ने अपनी संस्कृति का अनुसरण करने का प्रयास किया। विद्यालय का लक्ष्य देश की संस्कृति, सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक व शैक्षणिक आदि विभिन्न क्षेत्रों में बच्चो का सर्वांगीण विकास कराना। नव जागरण पब्लिक स्कूल गुलावला के बच्चों ने नवोदय, सैनिक स्कूल, गुरुकुल कुरुक्षेत्र, राई स्पोर्ट्स स्कूल व मिलिट्री स्कूल में बच्चों का सिलेक्शन करवाकर क्षेत्र का नाम रोशन किया। हवन में उपस्थित सभी लोगों का चेयरमैन अजीत सिंह डाबर ने धन्यवाद किया और मेहनत को निरंतर रखने का भरोसा दिलाया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर मुख्याअध्यापिका ललिता, संचालिका मनीषा, डायरेक्टर राजकुमार, संगठनकर्ता बलबीर सिंह, सत्यवीर, दिनेश, रामकिशन नंबरदार, उगेराम बोहरा, ओमप्रकाश, सपना, भूदेव, संदीप हुडिना, एकता, अभिषेक, युधिष्ठिर व धर्मपाल ने बच्चों और स्टाफ को आशीर्वाद दिया और उज्जवल भविष्य की कामना की।

सीबीएसई की लाइफ स्किल्स कार्यशाला में 44 शिक्षकों ने लिया प्रशिक्षण

- शिक्षकों को दी आधुनिक शिक्षण तकनीकों और जीवन कौशल की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यशाला में प्रशिक्षण लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

चामधेड़ा रोड स्थित मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सीबीएसई के तत्वावधान में लाइफ स्किल्स बेसिक विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

इस कार्यशाला में क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों से आए 44 शिक्षकों ने भाग लिया और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के साथ जीवन कौशल के महत्व को समझा। कार्यक्रम का शुभारंभ रिसोर्स पर्सन विकास कुमार व विकास चौधरी ने मां सरस्वति के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन विकास कुमार ने कहा कि लाइफ स्किल्स विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। रिसोर्स पर्सन विकास चौधरी ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में विद्यार्थियों के लिए भावनात्मक संतुलन, टीमवर्क और समय प्रबंधन जैसी क्षमताएं अत्यंत जरूरी हो गई है।

विद्यालय चेयरमैन सतन सिंह ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन शिक्षकों के ज्ञान और कौशल को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्राचार्य प्रदीप कुमार ने कहा कि 44 शिक्षकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी इस कार्यशाला की सफलता का प्रमाण है।

यदुवंशी की छात्रा एमएससी ज्योग्राफी में टॉप 10 सूची में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। टॉप रहने वाली छात्राएं।

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी द्वारा एमएससी ज्योग्राफी के तृतीय सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया, जिसमें यदुवंशी कॉलेज की छात्रा प्रियंका पुत्री कृष्ण कुमार ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं कमलेश पुत्री बालाराम ने पांचवा स्थान हासिल करके न केवल अपना नाम रोशन किया, बल्कि अपने माता-पिता के साथ-साथ यदुवंशी कॉलेज का भी नाम रोशन किया। संस्था चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह तथा ग्रुप डायरेक्टर विजय सिंह यादव ने सभी सफल विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि यह सफलता न केवल विद्यार्थियों की मेहनत का परिणाम है, बल्कि शिक्षकों के मार्गदर्शन और संस्था के अनुशासित वातावरण का भी प्रतिफल है। वाइस चेयरमैन एडवोकेट करन सिंह यादव, चेयरपर्सन संगीता यादव, डॉक्टर प्रदीप यादव, कॉलेज प्राचार्य बबरूभान ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस परीक्षा परिणाम में यदुवंशी कॉलेज के अन्य छात्रों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली है।

छात्रा अंजली ने एनएमएमएस परीक्षा पास कर बढ़ाया मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। अंजली को सम्मानित करते बीईओ विकास जयदीप व स्टाफ।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयए अकबरपुर की छात्रा अंजली पुत्री सुरेन्द्र कुमार ने राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति (एनएमएमएस) परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रवक्ता विजयपाल यादव ने बताया कि अंजली की इस उल्लेखनीय सफलता पर विद्यालय परिसर में समारोह का आयोजन किया गया। खण्ड शिक्षा अधिकारी विकास जयदीप व प्राचार्या सीमा यादव ने अंजली को स्मृति चिह्न व प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित बीईओ विकास जयदीप ने अंजली की मेहनत, लगन और अनुशासन की सराहना करते हुए अन्य विद्यार्थियों को इससे प्रेरणा लेने का संदेश दिया। प्राचार्या सीमा यादव ने कहा कि अंजली की सफलता यह दर्शाती है। प्रवक्ता डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि स्कूल में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी निरंतर मार्गदर्शन दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अंजली की सफलता स्कूल के शैक्षणिक माहौल को दर्शाती है। इस मौके पर प्रवक्ता आशा शर्मा, महेन्द्र सिंह, ऋषि कुमार, विजयपाल यादव, रोहतास, सचिन आदि मौजूद थे।

आरपीएस में अर्पण-प्रतिभा का समर्पण समारोह में बच्चों ने मचाई धूम

'कृष्ण-सुदामा' के नाटक ने सच्ची मित्रता की मिसाल पेश की

महेंद्रगढ़। विद्यालय में हवन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

रावमावि ढाढोत में हवन के साथ नए सत्र की शुरुआत

महेंद्रगढ़। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाढोत में नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ हवन यज्ञ के साथ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय परिसर में किया गया, जिसमें शिक्षक, विद्यार्थी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। हवन यज्ञ का आयोजन सुशीला शास्त्री, कैलाश शास्त्री एवं सुरेन्द्र शास्त्री के द्वारा विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ सम्पन्न कराया गया, जिससे पूरे वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। प्राचार्य अजित सिंह ने कहा कि नया सत्र जीवन में नए अवसर और नई संभावनाएं लेकर आता है। उन्होंने कहा कि वे अनुशासन, परिश्रम और आत्मविश्वास को अपना आधार बनाएं। उन्होंने कहा कि लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने से ही सफलता प्राप्त होती है। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों से समय का सदुपयोग करने और अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में निम्बेडा निवासी संदीप एसआई विशेष रूप से उपस्थित रहे। गणित प्रवक्ता सतन सिंह यादव ने कहा कि गणित जैसे विषय में सफलता के लिए नियमित अभ्यास और धैर्य आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को कठिनाइयों से घबराने के बजाय उन्हें चुनौती के रूप में स्वीकार करने की सलाह दी। इस मौके पर स्टाफ सदस्य वीर सिंह, धूपसिंह, राजेश झाड़ली, सुषमा, शालू, बिजेंद्र, सत्यनारायण, निर्मला, कविता, ज्योति, देवेंद्र और कैलाश सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

आरपीएस विद्यालय में वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव अर्पण-प्रतिभा का समर्पण भाग द्वितीय का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास और भव्यता के साथ संपन्न हुआ। इस गौरवमयी समारोह में नन्हें कलाकारों की रंगारंग प्रस्तुतियों और सांस्कृतिक झलक ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं संस्था चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। डॉ. राव ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में विद्यालय की प्रगति की सराहना की। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सुरीले स्वागत गीत ने पूरे परिसर को सकारात्मक ऊर्जा और आनंद से भर दिया। आरपीएस ग्रुप सीईओ इंजीनियर मनीष राव व डिप्टी सीईओ कुनाल राव ने भी अपनी बधाई प्रेषित की। विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें भक्ति, नीति और आधुनिकता का अनूठा संगम देखने को मिला। नन्हे बच्चों ने भगवान श्रीराम के बाल रूप और श्रीकृष्ण के चरित्रों का जीवंत मंचन कर भारतीय संस्कारों की महक बिखेरी। भगवद् गीता पर आधारित प्रस्तुति ने दर्शकों को अध्यात्म से जोड़ दिया, वहीं 'कृष्ण-सुदामा' के नाटक ने सच्ची मित्रता की मिसाल पेश की।

श्रवण कुमार की दयस्पर्शी प्रस्तुति ने माता-पिता के प्रति सेवा और समर्पण का भाव जागृत किया। 'रेनबो ऑफ कलर्स' के माध्यम से विविधता में एकता के संदेश को बेहद खूबसूरती से दर्शाया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ-साथ विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य एवं फिटनेस ड्रिल और योग के माध्यम से शारीरिक कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अनिवार्य हैं। 'अर्पण' का अर्थ ही है कि जब प्रतिभा पूर्ण समर्पण के साथ प्रस्तुत की जाती है, तो वह सफलता के नए द्वार खोलती है।

बच्चों की सराहना

समारोह के सफल आयोजन पर उपप्राचार्य दिनेश कुमार, डीन एलएन गौड़, पवन तिवारी, विंग हेड देवेंद्र पुनिया, जिले सिंह, अमित कुमार, साक्षी मलिक और अनीता अहलावत सहित समस्त स्टाफ ने बच्चों की सराहना की।

महेंद्रगढ़। मरीजों की जांच करते चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

उपस्वास्थ्य केंद्र देवास में टीबी जांच शिविर

महेंद्रगढ़। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत उप स्वास्थ्य केंद्र देवास में टीबी जांच शिविर एवं जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। टीबी जांच शिविर में 97 लोगों की स्क्रीनिंग की, जिनमें 17 टीबी के संभावित लोगों के बलगम के सैंपल लेकर हूमन कॅरियर देवेंद्र ने कनीना लेब में जांच के लिए भेजे। इसके उपरांत एक स्वास्थ्य जागरुकता बैठक का आयोजन भी किया गया, जिसकी अध्यक्षता सीएचओ हिमांशु ने की और संचालन स्वास्थ्यकर्मी सतीश खैरवाल व रोशनी देवी ने किया। टीबी यूनिट कनीना से एसटीएस पवन कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। सीएचओ डॉ. हिमांशु व एसटीएस पवन कुमार एवं स्वास्थ्यकर्मी सतीश खैरवाल ने बताया कि दो सप्ताह से अधिक समय से लगातार खांसी होने पर अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर अपने स्वास्थ्य की जांच करवाए। चिकित्सक की सलाह पर एक्स-रे एवं अपने बलगम की जांच करवाए, जांच के उपरांत टीबी की पुष्टि होने पर डॉट्स प्रणाली को अपनाए और टीबी की नियमित दवाई ले। इस बैठक में स्वास्थ्यकर्मी सतीश खैरवाल, रोशनी देवी, आशा वर्कर सुनीता देवी, पवन, जितेंद्र, रघुबीर, अमित आर्य सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

हर साल खराब हो रहा इलेक्ट्रॉनिक सामान और फर्नीचर, बदबू से जीना दूभर

सीवर रिसाव से प्राणपुरा के बेसमेंट में भरी गंदगी, व्यापारी परेशान

कई बार शिकायत के बावजूद नहीं हुआ स्थायी समाधान कोर्ट जाने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

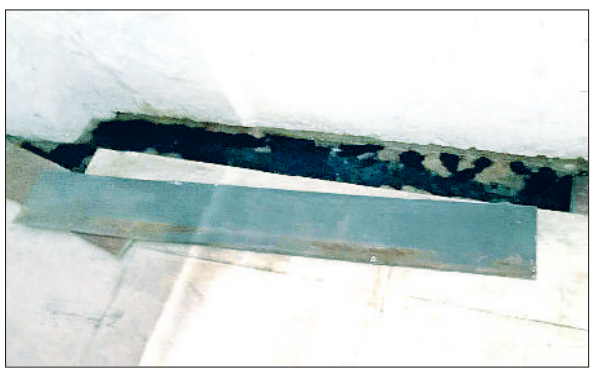
नारनौल। प्राणपुरा के बेसमेंट में बह रही सीवर की गंदगी। फोटो : हरिभूमि

शहर के मोहल्ला प्राणपुरा में एक व्यापारी लगातार सीवर रिसाव की समस्या से जूझ रहा है। विवाह-शादी में इस्तेमाल होने वाले फर्नीचर एवं इलेक्ट्रॉनिक सामान का व्यवसाय करने वाले प्राणपुरा के व्यापारी के बेसमेंट में सीवर की गंदगी निरंतर रिसती रहती है, जिससे उन्हें हर साल भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। पीड़ित व्यापारी रविंद्र जैन के अनुसार, उनके बेसमेंट में रखा फर्नीचर और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सीवर के पानी के संपर्क में आने से खराब हो जाते हैं। इससे न केवल आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि बेसमेंट में फैली बदबू के कारण वहां काम करना भी मुश्किल हो जाता है। उन्होंने बताया कि हालात इतने खराब हो चुके हैं कि कई बार ग्राहकों के सामने भी उन्हें असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है। रविंद्र जैन का कहना है कि उन्होंने इस समस्या को लेकर जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कई बार अवगत कराया है, लेकिन हर बार केवल औपचारिकता निभाकर मामले को टाल दिया जाता है। विभाग के कर्मचारी मौके पर आकर सीवर होदी से थोड़ा बहुत कचरा निकालते हैं, जिससे कुछ समय के लिए समस्या कम होती है, लेकिन जल्द ही स्थिति फिर से जस की तस हो जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभाग की यह कार्यप्रणाली केवल खानापूर्ति तक सीमित है और स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा। व्यापारी का कहना है कि जब तक सीवर होदी को पूरी तरह तोड़कर नई नहीं बनाई जाएगी, तब तक इस समस्या से निजात मिलना संभव नहीं है।

लगातार हो रही अनदेखी

लगातार हो रही अनदेखी से परेशान रविंद्र जैन अब कानूनी रास्ता अपनाने की तैयारी में हैं। उन्होंने कहा कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे कोर्ट की शरण लेंगे, ताकि उन्हें इस गंभीर समस्या से राहत मिल सके। स्थानीय लोगों का भी कहना है कि क्षेत्र में सीवर व्यवस्था जर्जर हो चुकी है और समय-समय पर ऐसी समस्याएं सामने आती रहती हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द स्थायी समाधान किया जाए, ताकि व्यापारियों और निवासियों को राहत मिल सके।

विद्यार्थियों के सराहनीय परिणाम पर प्राचार्य व स्टाफ को किया सम्मानित

महेंद्रगढ़ राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बुचौली में पढ़ने वाले छात्रों का बेहतर परिणाम आने पर ममाज टीम सदस्य मुकेश चौहान, आंबेडकर सेवा समिति सदस्य जयसिंह नंबरदार व मनोज मेहरा ने विद्यालय प्राचार्य धर्मबीर सिंह एवं समस्त स्टाफ सदस्यों को हरियाली का प्रतीक पौधा एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। कक्षा नौवीं में चाहत पुत्री अनिल ने 600 में से 517 अंक लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया, खुशी पुत्री मित्तल ने 600 में से 507, शिवम पुत्र धर्मबीर ने 600 में से 506 अंक प्राप्त किए, कक्षा 11वीं में तम्मना पुत्री अनिल ने 500 में से 422 अंक, प्रियंका पुत्री कुलदीप ने 500 में से 405 अंक और महक पुत्री पवन और रोहित पुत्र सतीश ने 396 अंक प्राप्त किए हैं। इससे पहले नए सत्र में प्रवेश उत्सव के शुभारंभ पर विद्यालय में हवन भी किया गया। सरपंच अलका यादव ने प्राचार्य धर्मबीर सिंह एवं समस्त स्टाफ को कक्षा नौवीं और 11वीं के बच्चों का उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं शानदार परिणाम को लेकर बधाई दी। इस अवसर पर प्राचार्य धर्मबीर सिंह, प्रवक्ता पालाराम, पूनम, अनीता, बबीता रानी, ममता, पुष्पा कम्प्यूटर टीचर, ज्योति डीपी, अर्पना, मास्टर मनोज, जितेंद्र डुलाना, कर्मवीर, राकेश, जितेंद्र पायगा, दीपक तंवर, नरेश सुख सहायक सहित स्कूल के सभी विद्यार्थियों समस्त स्टाफ एवं गांव के लोग उपस्थित रहे।

रा. प्रा. पा. सेका (15051)
महेन्द्रगढ़ (9466616600)
बोली सूचना
रा.प्रा.पा. सेका के एक जर्जर कमरे के सामान की बोली 20.04.2026 को 11:00 बजे स्कूल में लगेगी। बोलीदाताओं द्वारा जमानती राशि 5000/- रूपये बोली से पूर्व स्कूल में जमा करवानी होगी। शर्तें समय पर बताई जाएंगी। एस.एम.सी. का फैसला मान्य होगा।
SMC GPS Seka

खबर संक्षेप

उप स्वास्थ्य केंद्र बुचौली में लगाया स्वास्थ्य शिविर

महेंद्रगढ। उप स्वास्थ्य केंद्र बुचौली में टीबी जांच शिविर लगाया गया। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पूनम रेबारी, रेणु कुमारी व सोनू ने 77 ग्रामीणों की टीबी स्क्रीनिंग की। इनमें से 18 टीबी संभावित मरीजों के बलगम के सैंपल लेकर उनको पोर्टल पर दर्ज करके उनके बलगम जांच के लिए उप नागरिक अस्पताल कनीना लैब में भेजे गए। शिविर के आयोजन में पवन एसटीएस, देवेन्द्र हूमन कोरियर, आशा वर्कर तारामणी और उर्मिला ने विशेष सहयोग दिया।

खत्रीपुर में बाबा दाढ़ी वाला का भंडारा आज

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव खत्रीपुर में पांच अप्रैल को बाबा दाढ़ी वाला का भव्य भंडारा आयोजित किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन को लेकर गांव में उत्साह का माहौल बना हुआ है। जानकारी देते हुए दिनेश बाबूजी ने बताया कि भंडारे का आयोजन सूबेदार कंवल सिंह यादव द्वारा करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हवन के उपरांत सुबह 10 बजे से भंडारे में प्रसाद वितरण शुरू कर दिया जाएगा।

भाजपा स्थापना दिवस की तैयारी के लिए बैठक

नारनौल। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस को मंडल की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष हेमंत चौबे ने की। इस अवसर पर जिला मंत्री मनीष संघी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि छह अप्रैल को स्थापना दिवस को पूरे उत्साह के साथ बूथ स्तर पर मनाया जाएगा। मंडल अध्यक्ष ने कहा कि यह दिन हर कार्यकर्ता के लिए गर्व का प्रतीक है। पार्टी की असली ताकत बूथ स्तर का कार्यकर्ता होता है। बैठक में निर्णय किया गया कि कल छह अप्रैल को सभी कार्यकर्ता अपने अपने घरों व प्रतिष्ठानों पर पार्टी का ध्वज फहराएंगे। इस मौके पर मंडल उपाध्यक्ष मंजू सोनी, जगदीश दीवान, राजेश शर्मा, सुरेश गुप्ता, मंडल महामंत्री रमेश जांगिड़, महेश सैनी, मंडल सचिव नरेंद्र सोनी, सुरेंद्र सोनी आदि मौजूद रहे।

मूलोदी में शिविर लगा लोगों का किया चेकअप

नांगल चौधरी। मूलोदी गांव में स्वास्थ्य विभाग ने 100 दिवसीय टीबी के सक्रिय केस फाइंडिंग करने के मकसद से निक्षय शिविर लगाया गया। जिसमें विभाग की मोबाइल टीम ने संदिग्द ग्रामीणों का चेकअप करने के बाद थूक व अन्य सैंपल लिए हैं। जिन्हें विभागीय लैब में भेजकर जांच कराई जाएगी तथा रिपोर्ट के आधार पर मरीजों को निशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। उपचार परीवेक्षक विष्णू चौहान ने बताया कि शिविर के दौरान स्वास्थ्य टीम ने ग्रामीणों को टीबी के लक्षणों और बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि लगातार खांसी, बुखार, वजन घटना और कमजोरी जैसे लक्षण नजर आने पर तुरंत जांच करवानी चाहिए।

जिले के 83 छात्रों ने पाई सफलता

एनएमएमएस परीक्षा में महेंद्रगढ़ की छात्रा गीत प्रदेश में प्रथम, तीसरा स्थान जिला के पार्थिव सैनी को मिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

एससीईआरटी गुरुग्राम की ओर से नेशनल मीन्स कम मेरिट स्कॉलरशिप स्कीम (एनएमएमएस) परीक्षा 2025 का परिणाम घोषित कर दिया गया है। इस परीक्षा में प्रदेश के 2337 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। वहीं जिला महेन्द्रगढ़ से 83 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की है। सबसे बड़ी बात है कि इस परीक्षा में जो विद्यार्थी प्रदेशभर में प्रथम रहा है, वह महेंद्रगढ़ जिला से है। यहीं नहीं, प्रदेश में तीसरे नंबर पर रहने वाला विद्यार्थी भी इसी जिले से है।

विद्यार्थी गीत माहलावत

विद्यार्थी पार्थिव सैनी

डीईओ विश्वेशवर कौशिक

जिला नोडल अधिकारी संजय कुमार बताते है कि चयनित विद्यार्थियों को निर्धारित शर्तों के अनुसार 12 हजार प्रति वर्ष की छात्रवृत्ति कक्षा नौंवी से 12वीं तक (कुल 48 हजार) प्रदान की जाएगी। यह छात्रवृत्ति उन विद्यार्थियों को ही मिलेगी, जिनके अभिभावकों की वार्षिक आय 3.50 हजार से कम है तथा वे सरकारी विद्यालय में अध्ययन जारी रखते हैं।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि यदि कोई विद्यार्थी अन्य विद्यालय में प्रवेश के लिए अपना स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट (एसएलसी) लेता है, तो विद्यालय मुखिया प्रमाण पत्र पर यह अवश्य उल्लेख करे कि "इस विद्यार्थी ने नेशनल मीन्स कम मेरिट स्कॉलरशिप स्कीम परीक्षा 2025 उत्तीर्ण की है।"

सभी विद्यालय प्रमुखों को निर्देशित किया गया है कि वे चयनित विद्यार्थियों का डेटा एनएसपी पोर्टल पर जून-जुलाई माह में अनिवार्य रूप से ऑनलाइन अपलोड करवाएं। उल्लेखनीय है कि एनएमएमएस परीक्षा का आयोजन 30 नवम्बर 2025 को किया गया था। यह योजना मिनिस्ट्री ऑफ एज्यूकेशन इंडिया द्वारा प्रायोजित है तथा देशभर के सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा आठवीं के मेधावी विद्यार्थियों के लिए है।

प्रदेशभर में यह विद्यार्थी रहे प्रथम व तृतीय

राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने में छात्रा गीत माहलावत पुत्री समीर चौधरी है। यह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मेघोत से है। इस छात्रा ने प्रदेशभर में प्रथम स्थान हासिल किया है। वहीं जीएमएसएसएस नारनौल से विद्यार्थी पार्थिव सैनी पुत्र जितेन्द्र ने प्रदेश में तीसरा स्थान हासिल किया है। जिले के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए महेन्द्रगढ़ का नाम पूरे प्रदेश में गौरवान्वित किया है।

क्या कहते हैं डीईओ

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. विश्वेश्वर कौशिक ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा इस उपलब्धि के लिए अध्यापकों, विद्यालय प्रमुखों एवं खंड शिक्षा अधिकारियों को भी बधाई दी।

- नौंवी से 12वीं कक्षा तक इन्हें मिलेंगी प्रति छात्र 48 हजार रुपये की स्कॉलरशिप राशि

गड़बड़ी का लगा था आरोप फिलहाल एजेंसी से केवल उपलब्ध स्टॉक ही वितरित किया जाएगा

कार्रवाई होने के बाद सप्लाई सस्पेंड

निजामपुर की वरुणा गैस एजेंसी पर त्रुटियां मिली, केस दर्ज हुआ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

निजामपुर की मैसर्स वरूणा एचपी गैस एजेंसी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने उपरांत हिंदुस्तान पेट्रोलियम कंपनी ने इसकी गैस सप्लाई को सस्पेंड कर दिया है। फिलहाल इस एजेंसी से केवल उपलब्ध स्टॉक ही वितरित किया जाएगा। इसके बाद इसकी गैस आपूर्ति को अस्थाई तौर पर बंद कर दिया जाएगा। इस एजेंसी पर गैस वितरण में गड़बड़ी के आरोप हैं।

बता दें कि गत 29 मार्च को खाद्य एवं पूर्ति विभाग नांगल चौधरी के उप निरीक्षक अशोक कुमार ने निजामपुर एसएचओ को लिखित शिकायत देते हुए आरोप लगाए थे कि मैसर्स वरूणा एचपी गैस वितरक ग्राम निजामपुर में स्थित है। खाड़ी देशों के बीच छिड़े युद्ध के मद्देनजर उपजी वैश्विक समस्या होते हुए भी इसका कार्य ठीक नहीं है।

इस एजेंसी द्वारा त्रुटियां करना पाया गया है, जिनमें गैस एजेंसी पर स्टॉक बोर्ड, रेट लिस्ट पूर्णतया नहीं भरी पाई गं। मौके पर स्टॉक रजिस्टर नहीं पाया गया। न ही कोई अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किए गए। एजेंसी पर मौके पर केवल एक ही कर्मचारी पाया गया, जिसे कुछ पता ही नहीं था।

इसके अतिरिक्त इस समय एजेंस संचालक समय पर एजेंसी नहीं खोलता है व मनमर्जी से शटर डाउन कर देता है, जिससे उपभोक्ताओं में परेशानी व रोष है। उपभोक्ता इसकी मनमर्जी से परेशान होकर जाम लगा देते हैं। एजेंसी संचालक होम डिलीवरी सही से नहीं कर रहा है। इसके पास स्टॉक भी उपलब्ध है, फिर भी ऑनलाइन बुकिंग का वितरण ठीक प्रकार से नहीं कर रहा है।

उपभोक्ताओं के पास गैस सिलेंडर नहीं पहुंचने पर भी डिलीवरी की मैसेज आ रहा है। एजेंसी संचालक ने लिखित भी दिया है कि उसे एजेंसी बंद करने की अनुमति दी जाए, जबकि इस समय पर एलपीजी की वैश्विक समस्या से समय बहुत गंभीर कोताही है।

इसलिए उपरोक्तानुसार एलपीजी कंट्रोल ऑर्डर 2000 एवं ईसी एक्ट 1955 की धारा 7 व 10 की उपल्घंना है। इसलिए एजेंसी संचालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने की सिफारिश की जाती है। इसकी जांच में पुलिस ने उक्त धाराओं के तहत अपराध होना पाया, जिस पर आरोपित के खिलाफ 29 मार्च को ही केस दर्ज कर लिया गया। अब उक्त केस दर्ज होने उपरांत हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपी) ने गैस सप्लाई रोक दी है। इन हालातों में एजेंसी केवल उसके पास उपलब्ध स्टॉक का ही वितरण करेगी, भविष्य में सप्लाई आगामी आदेशों तक बंद रहेगी।

नारनौल। निजामपुर में बना मै. वरूणा एचपी गैस का दफ्तर। फोटो: हरिभूमि

यह बोले अधिकारी

मैसर्स वरूणा गैस एजेंसी के विरुद्ध अनियमितताओं के आरोप थे। इनकी जांच भी करवाई गई, जिसमें आरोप सही पाने पर केस दर्ज कराया गया था। अब एचपी ने इसकी गैस सप्लाई सस्पेंड कर दी है। आगामी आदेशों तक इसकी सप्लाई बंद रहेगी। इसके उपभोक्ताओं को नजदीकी एजेंसियों से जोड़ा जाएगा। यह सारे निर्णय एचपी को ही लागू करने हैं। हमारा केवल सुपरविजन रहेगा। -अरुण सैनी, एडीएफएससी, नारनौल

अटेली में छापेमारी, 3 सिलेंडर जब्त

नारनौल। जिले में एलपीजी गैस की कालाबाजारी को रोकने व उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी कड़ी में उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार के दिशानिर्देशानुसार शनिवार को अटेली क्षेत्र में अवैध रूप से गैस सिलेंडरों के उपयोग की सूचना पर विशेष छापेमारी की गई। इंस्पेक्टर विनोद कुमार के नेतृत्व में टीम ने विभिन्न स्थानों पर दबिश दी। इस दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर तीन घरेलू गैस सिलेंडर मौके पर ही जब्त कर लिए गए। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि गैस वितरण प्रणाली में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और कालाबाजारी करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई जारी रहेगी। जिले में गैस की उपलब्धता को लेकर प्रशासन ने आंकड़े साझा करते हुए सहायक खाद्य पूर्ति अधिकारी अरुण सैनी ने बताया कि जिहले में एलपीजी की कोई कमी नहीं है। शुक्रवार को विभिन्न गैस एजेंसियों के पास कुल 10ए544 सिलेंडरों का कुल स्टॉक उपलब्ध रहा, जिसमें से 5799 सिलेंडर आज ही प्लांट से प्राप्त हुए हैं। उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करने के लिए जिले की 21 गैस एजेंसियों के माध्यम से सक्रिय रूप से कार्य किया जा रहा है, जिसमें शनिवार को 3463 ऑनलाइन बुकिंग के सापेक्ष 4808 सिलेंडरों की डिलीवरी सुनिश्चित की गई है। विशेष रूप से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में घर घर आपूर्ति पहुंचाने के लिए कुल 51 वाहन निरंतर कार्यरत हैं, ताकि किसी भी उपभोक्ता को असुविधा न हो। प्रशासनिक निगरानी के अंतर्गत व्यावसायिक सिलेंडरों की आपूर्ति पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वर्तमान में शादियों व सरकारी कार्यों के लिए मांग के अनुसार व्यावसायिक सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

नियम तोड़ने वालों पर पुलिस सख्त काटे चालान

मंडी अटेली। अटेली मंडी में शनिवार को ट्रैफिक पुलिस ने नियमों के उल्लंघन पर सख्ती बरतते हुए विशेष अभियान चलाया। इस दौरान शहर के मुख्य चौक-चौराहों और व्यस्त मार्गों पर सब इंस्पेक्टर संतलाल व उनकी टीम तैनात रही और वाहनों की गहन जांच की गई। अभियान के दौरान ब्लैक फिल्म लगे वाहनों के शीशों को मौके पर ही उतरवाया गया। वहीं बुलेट मोटरसाइकिलों की भी जांच की गई। इसके साथ ही बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले चालकों पर पुलिस की विशेष नजर रही। कई वाहन चालकों को रोककर ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी गई जबकि नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चालान काटे गए। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर रुक-रुक कर जांच अभियान चलाया जिससे वाहन चालकों में हड़कंप का माहौल बना रहा। इस मौके पर जिला ट्रैफिक इंचार्ज नरेश कुमार ने बताया कि यह अभियान सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चलाया गया है। बढ़ते सड़क हादसों को रोकने और लोगों में ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूकता लाने के लिए ऐसे अभियान समय-समय पर जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि हेलमेट का उपयोग केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा के लिए भी बेहद जरूरी है। साथ ही उन्होंने बताया कि अवैध ब्लैक फिल्म न केवल कानून के खिलाफ है बल्कि इससे सुरक्षा व्यवस्था भी प्रभावित होती है।

स्वास्थ्य मंत्री ने यंग फार्मर क्लब को दिए 7.50 लाख, ग्रामीणों ने जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

आदर्श ग्राम दौंगड़ा अहीर स्थित खेल स्टेडियम में आज एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें यंग फार्मर क्लब के पदाधिकारियों व आसपास के गांवों के लोगों ने एकत्रित होकर स्वास्थ्य मंत्री का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के दौरान यंग फार्मर क्लब को 7.50 लाख की सहायता राशि चेक प्रदान किए जाने पर सभी उपस्थित लोगों ने खुशी जाहिर की और इसे खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय कदम बताया। ग्रामीणों व क्लब सदस्यों संजय ब्रह्मचारी बेवल, मामनसिंह प्रधान, हरपाल थानेदार, लीलाराम साहब, ग्रीवेंस कमेटी सदस्य विजय सिंह उर्फ सोनू, जयवीर, वीरसिंह, महेंद्र सिंह, राजपाल चेयरमैन, राजीव कुमार, दिनेश पंच, कृष्ण कुमार ने कहा कि यह आर्थिक सहयोग क्षेत्र के युवाओं को खेलों की ओर प्रेरित करेगा और क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। बताया गया कि गांव का यंग फॉर्मर क्लब कई वर्षों से लगातार खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करता आ रहा है।

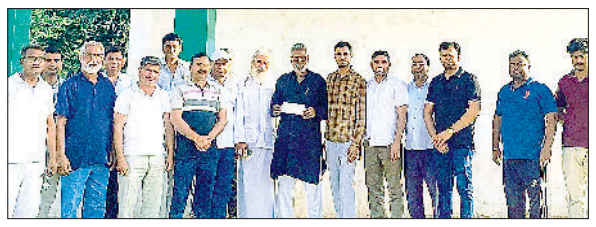

मंडी अटेली। चेक के साथ दौंगड़ा अहीर में फार्मर क्लब के सदस्य।

सात किसानों को वितरित किए ट्रैक्टर

- विधायक ने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसानों को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाना है

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

कृषि विभाग द्वारा आयोजित ट्रैक्टर वितरण कार्यक्रम में सरकार की अनुसूचित जाति सब-प्लान योजना के तहत किसानों को ट्रैक्टर वितरित किए गए। कार्यक्रम में मुख्यातिथि विधायक कंवर सिंह यादव रहे।

विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि किसानों को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि ट्रैक्टर जैसी आधुनिक कृषि मशीनरी मिलने से किसानों का समय बचेगा और खेती के कार्य अधिक कुशलता से पूरे हो सकेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अनुसूचित जाति वर्ग के किसानों के लिए सरकार विशेष योजनाएं चला रही है। विधायक ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। कृषि विभाग उपमंडल अधिकारी डॉ. अजय यादव ने बताया कि महेंद्रगढ़ जिले में 16 अनुसूचित जाति के किसानों को सब्सिडी के माध्यम से ट्रैक्टर देने का लक्ष्य रखा गया है।

लकी ड्रॉ के माध्यम से महेन्द्रगढ़ खंड और सतनाली खंड के सात किसानों का चयन किया गया, जिन्हे हरियाणा सरकार की अनुसूचित जाति सब-प्लान योजना के तहत ट्रैक्टर वितरित किए गए।

महेंद्रगढ़। किसानों को ट्रैक्टर वितरित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

नारनौल नीमराना-दादरी रेल लाइन परियोजना में हो शामिल : संघ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

चार अप्रैल को प्रकाशित समाचार।

दैनिक रेल यात्री एवं जनकल्याण संघ ने क्षेत्र में रेल विकास से संबंधित विषयों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि नारनौल को योजनाओं से बाहर रखा जाना उचित नहीं है। संगठन का मानना है कि यह स्थिति लंबे समय से बनी हुई है, जिस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। संघ के अध्यक्ष गणेश शर्मा ने बताया कि प्रस्तावित नीमराना–अटेली–दादरी रेल लाइन परियोजना में नारनौल को शामिल किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं में संतुलन रखना जरूरी है, ताकि सभी क्षेत्रों को समान अवसर मिल सके।

संघ के उपाध्यक्ष पूनम फौजदार ने कहा कि परियोजना के वर्तमान प्रस्तावित मार्ग के स्थान पर दादरी–महेंद्र गढ़–नारनौल–बहरोड़–अलवर मार्ग उपयुक्त और जनहितकारी सिद्ध हो सकता है। महासचिव एडवोकेट महावीर जैन ने कहा कि जयपुर–भिवानी एक्सप्रेस (09733) सहित अन्य रेल सेवाओं के संचालन में सुधार की जरूरत है। कहा कि मौजूदा सेवाओं का बेहतर प्रबंधन भी क्षेत्रीय विकास के लिए जरूरी है। महिला प्रकोष्ठ प्रमुख पूजा रानी ने कहा कि दादरी–महेंद्र गढ़–नारनौल–अलवर रेल मार्ग की मांग लंबे समय से लंबित है और इसे प्राथमिकता दी जानी चाहिए। संगठन के सदस्य आशीष चौधरी, देवेंद्र सैनी, हितेंद्र कुमार व अशोक कुमार स्वामी ने भी इस विषय पर सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की। अंत में संगठन ने केंद्र व राज्य सरकार तथा संबंधित जनप्रतिनिधियों से अनुरोध किया।

मदद का भरोसा | पार्टी ने जिला स्तर पर बनाए किसान कष्ट निवारण केंद्र

कहा–भाजपा सरकार किसान हितैषी नहीं, किसान अपनी पीड़ा यहां रखें, पार्टी करेगी हरसंभव समाधान

फसल बेचने के नियम पर इनेलो को एतराज खरीद नहीं करने पर आंदोलन का ऐलान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

भाजपा सरकार किसान हितैषी नहीं है। अब जब किसान फसल बेचने को तैयार है और अनाज मंडी में लेकर आ रहा है तो भाजपा सरकार ने खरीद में नए नियम लागू कर दिए। इन नियमों के उलझन में किसान तो है ही, आढ़ती भी परेशान है। फसल बेचने के लिए किसानों को पसीना बहाना पड़ रहा है। ऐसे किसान विरोधी नियमों का इनेलो पार्टी विरोध करती है और किसानों के साथ खड़ी है। इनेलो ने जिला लेवल पर किसान कष्ट निवारण केंद्र खोले है।

किसान को अगर फसल खरीदने में कोई दिक्कत आ रही है तो यहां आए। पार्टी उनका एक एक दाना बिकवाने में हर संभव सहयोग करेगी। अगर प्रशासन या सरकार नहीं मानती है तो पार्टी धरना प्रदर्शन व आंदोलन की राह अपनाएंगी। यह बात नारनौल के पूर्व विधायक एवं पार्टी के संसदीय बोर्ड सदस्य राधेश्याम शर्मा ने शनिवार प्रेसवार्ता में कही। उन्होंने कहा कि सरकार ने सरसों व गेहूं खरीद के लिए नए कानून बनाए है, वह सब किसान व आढ़ती विरोधी है।

हम नए कानून की आलोचना करते है। पहले परचेंज सेंटर थे, वह अब बंद कर दिए है, उन्हें फिर से खोला जाए, ताकि अनाज आसानी से किसान बेच सके। इसी मांग को लेकर इनेलो का एक प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री और बाद में राज्यपाल से मिल चुका है। पार्टी को आश्वासन मिला था कि नियमों में फेरबदल कर किसानों को फसल बेचने की राह ओर आसान की जाएगी, लेकिन अभी तक ऐसा नहीं हुआ। पूर्व विधायक ने कहा कि ओलावृष्टि से किसानों की फसल बर्बाद हो गई है। उनकी भरपाई के लिए सरकार को स्पेशल गिरदावरी करवाकर किसानों को आर्थिक सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नए नियमों में ट्रेक्टर ट्राली पर नंबर होने चाहिए, बायोमेट्रिक मशीन से हाजिरी लगाने, दो से तीन गवाह होने जैसी शर्तें लगाई गई है जो किसान विरोधी है। अनाज मंडी में एंट्री का समय भी सुबह छह से शाम आठ बजे तक है। जबकि किसान मौसम को देखते हुए रात को फसल निकाल रहे है। किसानों की अनाज मंडी में रात को ही एंट्री होनी चाहिए।

यहीं नहीं, अनाज मंडी में अनाज रखने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं है। टीनशैड पूरी नहीं है। सरकार के इस नए कानून से सब परेशान है। सरकार नियमों को वापस लें, वरनास प्रदेश भर में पार्टी आंदोलन करेगी। इस दौरान पूर्व विधायक एवं जिला प्रभारी रणवीर सिंह मंडोला ने कहा कि हम किसानों के साथ खड़े है। अगर किसी किसान की फसल लेने में प्रशासन या सरकार आनाकानी करती है तो अनाज मंडी में स्थापित की गई इनेलो के किसान कष्ट निवारण केंद्र पर संपर्क करें। हम किसान का एक एक दाना बिकवाने में सहयोग करेंगे। इसके लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को धरना प्रदर्शन या आंदोलन करना पड़े तो उससे भी पीछे नहीं हटेंगे। इस मौके पर सतबीर बडेसरा, जिला प्रवक्ता नवनीत सिंह ढिल्लो, छोटेलाल गहली, करण सिंह यादव, सुरेश चौधरी, रामकिशन यादव, जयसिंह सैनी, सत्यनारायण सैनी, धर्मपाल शर्मा, मदन शर्मा, भरपूर सिंह व जितेंद्र सिंह सहित पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे। इसके बाद इनेलो पदाधिकारियों ने नारनौल व नांगल चौधरी की अनाज मंडी का दौरा भी किया।

नारनौल। अनाज मंडी का दौरा करते इनेलो नेता। फोटो: हरिभूमि